Roll No. ……..

CAM–04

मसाज

Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM–12/16) Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 35**

नोट : यह प्रश्न पत्र पैंतीस (35) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े सात $7\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अभ्यंग से आप क्या समझते हैं ? इसका अर्थ स्पष्ट करते हुए अभ्यंग के सिद्धान्त एवं उपयोग का वर्णन कीजिए।
2. मर्मो की संख्या तथा प्रकार को विस्तारपूर्वक समझाते हुए वैकल्यकर एवं कालान्तर प्राणहर मर्म का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

3. पाचाकाग्नियों का वर्णन कीजिए तथा अष्ठ आहार विधि विशेषायतन को स्पष्ट कीजिये।
4. पंचकर्म का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए ढाई $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पृष्ठ भाग के मर्मों की व्याख्या कीजिए।
2. अभ्यंग के योग्य एवं अयोग्य का वर्णन कीजिए।
3. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) आहार मात्रा
   (ब) हितकर आहार
   (स) विपाक
4. कोष्ठ से आप क्या समझते हैं ?
5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) सर्वग्रह एवं परिग्रह
   (ब) राशि (मात्रा)
   (स) अनुवासन एवं आस्थापन बस्ति
6. आहार पाकक्रम का वर्णन कीजिए।
7. अभ्यंग की विधियों का वर्णन कीजिए।

8. मर्मों के पाँचभौतिकत्व पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिये :

1. संधि मर्मों की संख्या है :
   (अ) 15
   (ब) 18
   (स) 20
   (द) 22
2. मणि बन्ध है :
   (अ) विशल्यघ्न
   (ब) वैकल्यकर
   (स) रुजाकर
   (द) कालान्तर प्राणहर
3. शरीर में कुल अग्नियों की संख्या है :
   (अ) 5
   (ब) 7
   (स) 13
   (द) 10

4. प्रभावह भेद के आहार द्रव्य होते हैं :

   (अ) 3 प्रकार के

   (ब) 4 प्रकार के

   (स) 2 प्रकार के

   (द) 5 प्रकार के

5. त्रिवृत्त है :

   (अ) सुख विरेचक

   (ब) मृदु विरेचक

   (स) तीक्ष्ण विरेचक

   (द) ग्राही

सत्य/असत्य बताइए :

6. आरग्वध सुख विरेचक है। (सत्य/असत्य)
7. माँसमर्म की संख्या 8 है। (सत्य/असत्य)
8. शरीर में रोग के प्रवेश के 3 मार्ग हैं। (सत्य/असत्य)
9. शिरोवस्ति की अवधि है—2 घंटा। (सत्य/असत्य)
10. अजीर्ण रोगी में अभ्यंग का निषेध है। (सत्य/असत्य)